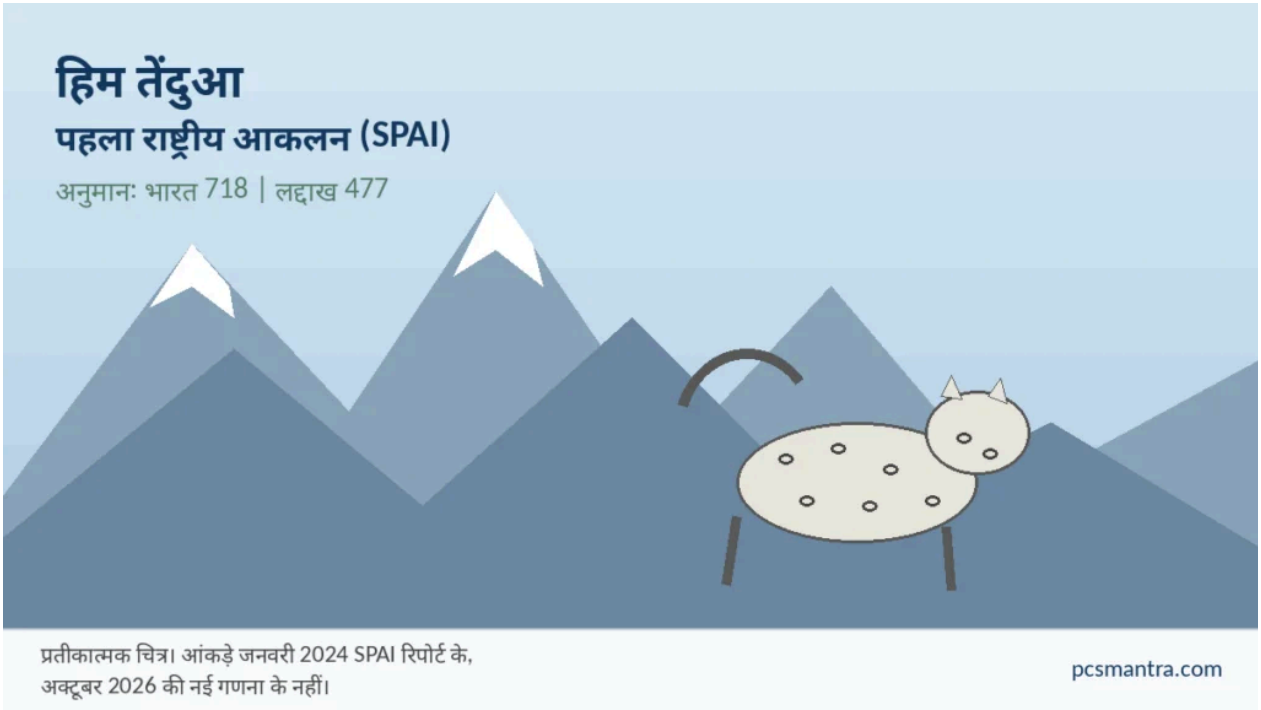
हिम तेंदुआ: पहले राष्ट्रीय आकलन में 718 का अनुमान, लद्दाख में 477

पर्यावरण एवं जैव विविधता | समाचार संदर्भ: 23 अक्टूबर 2026 | प्रकाशन: 25 अक्टूबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

अंतरराष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस पर 23 अक्टूबर 2026 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने हिम तेंदुए के संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। आकाशवाणी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने भारत के पहले हिम तेंदुआ जनसंख्या आकलन के **718 हिम तेंदुओं, जिनमें लद्दाख के 477 शामिल हैं**, का उल्लेख किया। आवास की सुरक्षा और समुदायों की भागीदारी को संरक्षण से जोड़ा गया।

इन संख्याओं को **अक्टूबर 2026 में हुई नई गणना** नहीं समझना चाहिए। पहले राष्ट्रीय आकलन की रिपोर्ट 30 जनवरी 2024 को जारी हुई थी। उसका क्षेत्रीय कार्य 2019 से 2023 के बीच किया गया। वर्तमान समाचार उसी आकलन के निष्कर्षों का संरक्षण-दिवस पर फिर उल्लेख है।

SPAI क्या है?

Snow Leopard Population Assessment in India (SPAI) भारत में हिम तेंदुओं की जनसंख्या का पहला राष्ट्रीय वैज्ञानिक आकलन था। **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)** इसका राष्ट्रीय समन्वयक था। हिम तेंदुए वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन तथा WWF-India ने इसमें सहयोग किया।

पर्यावरण मंत्रालय की जनवरी 2024 की विज्ञप्ति के अनुसार, आकलन ने देश में हिम तेंदुए के संभावित क्षेत्र के 70 प्रतिशत से अधिक भाग को व्यवस्थित रूप से कवर किया। लगभग 1,20,000 वर्ग किलोमीटर के आवास का अध्ययन हुआ। इसमें लद्दाख,

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश शामिल थे।

तस्वीरों से अनुमान तक

पहला चरण: संभावित आवास में वितरण और उपस्थिति का व्यवस्थित अध्ययन

↓

दूसरा चरण: पहचाने गए क्षेत्रों में कैमरा ट्रैप से संख्या का आकलन

↓

दर्ज तस्वीरें: 241 अलग-अलग हिम तेंदुओं की पहचान

↓

डेटा के विश्लेषण से राष्ट्रीय अनुमान: 718 हिम तेंदुए

आरेख: पर्यावरण मंत्रालय की 30 जनवरी 2024 की विज्ञप्ति पर आधारित मौलिक सांकेतिक प्रक्रिया। 241 तस्वीरों में पहचाने गए अलग-अलग प्राणी और 718 का जनसंख्या अनुमान अलग माप हैं।

इसलिए **718 को कैमरे में दिखे प्राणियों की सीधी गिनती कहना गलत होगा**। विज्ञप्ति 241 अलग-अलग हिम तेंदुओं की तस्वीरें दर्ज होने और विश्लेषण के आधार पर 718 का अनुमान बनने को अलग-अलग बताती है। वन्यजीव आकलन में यह भेद परीक्षा के लिए भी महत्त्वपूर्ण है।

राज्य और केंद्रशासित प्रदेशवार अनुमान

- **लद्दाख:** 477
- **उत्तराखंड:** 124
- **हिमाचल प्रदेश:** 51
- **अरुणाचल प्रदेश:** 36
- **सिक्किम:** 21
- **जम्मू-कश्मीर:** 9

ये आँकड़े उसी पहले राष्ट्रीय आकलन के हैं। छह क्षेत्रीय अनुमानों का योग 718 है। लद्दाख में सबसे अधिक अनुमानित संख्या दर्ज हुई। अलग-अलग समय की रिपोर्टों को जोड़कर नई राष्ट्रीय कुल संख्या बनाना उचित नहीं होगा।

संरक्षण में आगे क्या?

2024 की रिपोर्ट ने WII में समर्पित हिम तेंदुआ प्रकोष्ठ और हर चौथे वर्ष जनसंख्या अनुमान का सुझाव दिया था। **यह सिफारिश है, हर जगह उसके क्रियान्वयन की पुष्टि नहीं।**

2026 के दिवस-संदेश में आवास संरक्षण और समुदायों की भागीदारी पर जोर दिया गया। वैज्ञानिक निगरानी से स्थिति समझने और स्थानीय भागीदारी से संरक्षण के उपाय लागू करने में मदद मिलती है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

वन्यजीव संरक्षण में वैज्ञानिक जनसंख्या आकलन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी एक-दूसरे के पूरक कैसे हैं? हिम तेंदुए के उदाहरण से समझाइए। (150 शब्द, 10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: हिम तेंदुए के पहले राष्ट्रीय वैज्ञानिक आकलन को संरक्षण की आधाररेखा के रूप में रखें। 718 का अनुमान 2019-2023 के कार्य पर आधारित और 2024 में जारी था, अक्टूबर 2026 की नई गणना नहीं।

मुख्य भाग में: वैज्ञानिक आकलन से वितरण, अनुमानित संख्या और निगरानी की जरूरत समझ आती है। कैमरों में पहचाने गए 241 प्राणी और 718 का विश्लेषण-आधारित अनुमान अलग हैं। स्थानीय समुदायों की भागीदारी को आवास की सुरक्षा और संरक्षण के उपाय लागू करने से जोड़ें। नियमित वैज्ञानिक निगरानी तथा स्थानीय जानकारी को साथ रखने का सुझाव दें; हर चौथे वर्ष आकलन और समर्पित प्रकोष्ठ को रिपोर्ट की सिफारिश कहें, सिद्ध क्रियान्वयन नहीं।

निष्कर्ष में: वैज्ञानिक निगरानी संरक्षण की स्थिति बताती है और समुदायों का सहयोग उसे जमीन पर लागू करने में मदद करता है। दोनों को जोड़ें, लेकिन पुराने अनुमान को नई उपलब्धि या सीधी कैमरा-गिनती न बनाएं।

स्रोत

- आकाशवाणी: राज्य मंत्री का हिम तेंदुआ दिवस संदेश, 23 अक्टूबर 2026
- पर्यावरण मंत्रालय / PIB: पहला राष्ट्रीय हिम तेंदुआ आकलन, 30 जनवरी 2024